Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVS-103

गृह निर्माण विवेचन

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. खात प्रविधि को विस्तार पूर्वक लिखिए।

P.T.O.

Q.2. गृहकक्ष विन्यास का वास्तु शास्त्रीय स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

गृहनिर्माण में पंचांग शुद्धि का विचार कैसे किया जाता है? विस्तृत रूप से बताएँ।

Q.3. गृहारम्भ में कलश चक्र के महत्व को स्पष्ट करें।

अथवा

गृहप्रवेश में लग्नशुद्धि एंव भावशुद्धि का विचार कैसे किया जाता है, शास्त्रीय रीति से वर्णन कीजिए।

Q.4. वास्तु शान्ति की विधि क्या है? प्रकाश डालिए।

Q.5. शिलान्यास विधि का शास्त्रीय विधान लिखिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. राहुमुख पुच्छ का सामान्य परिचय देते हुए दिशा के अनुसार राहु मुख पुच्छ की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

Q.2. शिलान्यास का परिचय दीजिये।

अथवा

गृहारम्भ मुहूर्त लिखिए।

Q.3. शिलान्यास पूजन प्रक्रिया को बताइये।

Q.4. गृह द्वार का विस्तृत वर्णन कीजिए।

अथवा

गृहाराम्भ में विचारणीय विषय कौन–कौन से हैं।

Q.5. गृहों के प्रकार के बारे में बताइए।

Q.6. गृह प्रवेश से क्या तात्पर्य है? विस्तृत विवेचन कीजिए।

Q.7. नूतन गृह प्रवेश एंव जीर्णादि गृहप्रवेश में क्या अंतर है? व्याख्या कीजिए।

Q.8. वृष वास्तु चक्र का परिचय देते हुए, इसके निर्माण की प्रक्रिया को भी वर्णित करें।

****